DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

नई दिल्ली। बुधवार • 21 जून • 2023 राष्ट्रीय सहारा ---------DATED----------

तैयारियां पूरी : योग दिवस आज

नई दिल्ली (एसएनबी)। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) के सदस्य कुलजीत सिंह चहल ने राजधानी में बुधवार को मनाए जा रहे अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों का जायजा लिया। मंगलवार को वह अधिकारियों के साथ उन सभी जगह गए, जहां योग दिवस को लेकर तैयारियां चल रही थीं। उन्होंने बताया कि राजपथ से कर्तव्य पथ बने मार्ग पर पहली बार इस बार लोग योग करेंगे। इंडिया गेट एवं आसपास 'वसुधैव कुटुंबकम' की छवि दिखेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास से अब यह योग दिवस दुनिया के 100 से अधिक देशों में मनाया जा रहा है।

एनडीएमसी अपने क्षेत्र में आठ स्थानों पर इस वर्ष लोग योग करेंगे। इसमें प्रमुख रूप से नेहरू पार्क, लोधी गार्डन, तालकटोरा गार्डन, कर्तव्य पथ, न्यू मोती बाग - निवास क्षेत्र, संजय झील, सिंगापुर पार्क, सेंट्रल पार्क शामिल हैं। योग दिवस के इस मौके पर आर्ट ऑफ लिविंग, पतंजलि योग समिति, गायत्री परिवार, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, ईशा योग केंद्र, योग संस्थान, अखिल भारतीय योग शिक्षक महासंघ और भारतीय योग संस्थान इसमें सहयोगी संस्थाओं के रूप में जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि योग प्रोटोकॉल कार्यक्रम से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का रिकार्ड किया संदेश सभी आठ स्थानों पर एलईडी स्क्रीन पर प्रसारित किया जाएगा।

मंगलवार को मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में योग महोत्सव 2023 के तहत अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर योग करते लोग। फोटो : प्रेट्र

कर्तव्य पथ समेत परिषद क्षेत्र में आठ स्थानों पर लोग करेंगे योग

कार्यक्रम से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का रिकार्ड किया संदेश प्रसारित किया जाएगा

सामान्य योग प्रोटोकॉल के अनुसार सभी स्थानों पर सुचारू व्यवस्था के लिए परिषद ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी के रूप में तैनात किया है। ये सभी रसद और उनकी व्यवस्था के लिए जिम्मेदार होंगे। नोडल अधिकारी योग प्रशिक्षकों की व्यवस्था और आम जनता को भाग लेने के लिए प्रेरित करने के साथ ही योग संस्थानों के साथ समन्वय भी करेंगे। एनडीएमसी ने सभी नागरिकों, सामुदायिक संगठनों, समूहों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों, मार्केट ट्रेडर एसोसिएशनों, मॉर्निंग वॉकर्स, जॉगर्स से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने के लिए भाग लेने का आग्रह किया है।

डीडीए भी तैयार : डीडीए ने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां पूरी कर ली हैं। बुधवार को डीडीए प्रमुख रूप से सराय कालेखां के सामने 'बांसेरा' में योग दिवस का आयोजन करेगा। इस आयोजन के मुख्य अतिथि उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना होंगे। प्राधिकरण ने सभी वर्ग के लोगों से योग दिवस आयोजन में हिस्सा लेने का आग्रह किया है।

80 फीसद तक नालों से गाद निकालने का काम पूरा

नई दिल्ली (एसएनबी)। राजधानी में मॉनसून से पूर्व नालों की सफाई का काम दिल्ली नगर निगम तेजी से कर रहा है। 80 फीसद तक नालों की डी-सिल्टिंग का काम पूरा कर लिया गया है। मेयर डा. शैली ओबरॉय ने अब 28 जून की समय सीमा तय कर दी है। मेयर ने कहा कि दिल्ली नगर निगम से जुड़े सभी नालों की सफाई का कार्य हर हाल में 28 जून तक पूरा कर लिया जाए। दिल्ली को जलभराव से बचाने के लिए जोन स्तर पर गंभीरता से काम किया जाए।

ओबरॉय ने मॉनसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा को लेकर मंगलवार को उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में अधिकारियों ने मेयर को नालों से गाद निकाले जाने के कार्य की प्रगति से अवगत कराया। दिल्ली नगर निगम द्वारा छोटे नालों से गाद निकाले जाने का कार्य 80 फीसद से अधिक पूरा कर लिया गया है। बड़े नालों से गाद निकाले जाने का कार्य लगभग 68 फीसद पूरा हो गया है। निगम के 12 जोन में से 10 जोन में नालों की सफाई का कार्य 90 फीसद से अधिक हो चुका है। जलभराव की स्थिति में पानी की निकासी के लिए संवेदनशील स्थानों पर 500 से अधिक पंप लगाए गए हैं। निगम किसी भी जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

नगर निगम से जुड़े सभी नालों की सफाई का कार्य हर हाल में 28 जून तक पूरा कर लिया जाए : मेयर

बड़े नालों से गाद निकाले जाने का कार्य लगभग 68 फीसद पूरा

जलभराव की स्थिति से निपटने को 500 स्थानों पर लगाए गए हैं पंप

बैठक के दौरान मेयर ने अति संवेदनशील गोकलपुर ड्रेन की गाद निकासी और रानीखेड़ा में जलभराव रोकने के संबंध में जानकारी मांगी। अधिकारियों ने बताया कि पूर्वी दिल्ली स्थित गोकलपुर ड्रेन करीब पांच किलोमीटर लंबा है और इसे पूरी तरह साफ कर दिया गया है। रानीखेड़ा को जलभराव से बचाने के लिए पानी को निकाल दिया गया है और वहां पंप लगा दिए गए हैं। इस मॉनसून में रानीखेड़ा में जलभराव नहीं होगा। निगम ने करीब 74 स्थानों की पहचान की है, जो कि जलभराव के लिहाज से संवेदनशील हैं। इन स्थानों पर जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए विभिन्न एजेंसियों जैसे- डीडीए, पीडब्ल्यूडी और रेलवे के साथ समन्वय बनाकर कार्य किया जा रहा है।

मेयर ने शाहदरा दक्षिण क्षेत्र व शाहदरा उत्तरी क्षेत्र में नालों की सफाई का कार्य तेज करने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा पूर्वी दिल्ली के कस्तूरबा ड्रेन, संजय ड्रेन, नांगलोई निलोठी ड्रेन, तैमूर नगर ड्रेन की सफाई के संबंध में विशेष निर्देश जारी किए। 28 जून तक 30 नालों की सफाई का कार्य शत-प्रतिशत पूरा कर लिया जाए।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

THE HINDU Wednesday, June 21, 2023 DELHI PAPERS----------DATED-----

'Expedite portal for clearing 24x7 shops' pleas'

The Hindu Bureau
NEW DELHI

Lieutenant-Governor V.K. Saxena directed the Labour Department to expedite the development of a 'single-window system' as an integrated portal for granting approval to applications related to shops and business establishments that are proposing to operate 24x7 in the city.

He also gave approval to 155 establishments to operate round the clock. The instructions come after the Aam Aadmi Party government and the Delhi Development Authority set in motion plans to develop the Capital's night-time economy.

Mr. Saxena has asked the Delhi government to take steps towards ensuring transparency and efficiency in disposal of such applications, as per Raj Niwas sources.

He has also instructed officials to develop a feedback module to identify issues and provide resolutions simultaneously.

Alleging that the L-G is trying to steal credit for the work done by Chief Minister Arvind Kejriwal, the ruling AAP stated that the file was sent to Mr. Saxena as a "mere constitutional procedure".

'Tactics for publicity'

The party added that it is "unbecoming of a constitutional official like the L-G to engage in such cheap tactics for publicity and steal credit".

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
WEDNESDAY, JUNE 21, 2023

NDMC expects 5.5k participants at eight yoga events today

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: At least 5,500 people are likely to participate in yoga events to be organised at eight locations in Lutyens' Delhi by New Delhi Municipal Council (NDMC) on International Day of Yoga on Wednesday.

The events will be held from 6am at Nehru Park, Lodhi Garden, Talkatora Garden, Kartavya Path, New Moti Bagh-IAS residences area, Sanjay Jheel, Singapore Park, and Central Park at Connaught Place in association with Art of Living, Patanjali Yoga Samiti, Gayatri Parivar, Morarji Desai National Institute of Yoga, Isha Yoga Centre, The Yoga Institute, Akhil Bhartiya Yoga Shikshak Mahasangh and Bhartiya Yog Sansthan.

Lieutenant governor VK Saxena will be the chief guest for an event that Delhi Development Authority will organise at Baansera in Sarai Kale Khan from 6.15am. Municipal Corporation of Delhi will hold an event at Hari Nagar near Ghanta Ghar where school children will participate.

NDMC member Kuljeet Singh Chahal said the recorded message of Prime Minister Narendra Modi and Vice-President Jagdeep Dhankhar would be played on LED screens before the programme. Parking arrangements are being made in consultation with police at four locations — Lodhi Garden, Nehru Park, Talkatora Garden and Kartavya Path — where the turnout is likely to be huge.

To motivate people to participate in the sessions, NDMC organised build-up camps from June 17 to 20 at Nehru Park, Lodhi Garden and Talkatora Garden in association with Ministry of Ayush, Art of Living, Patanjali Yoga Samiti and Gayatri Parivar, said vice-chairman Satish Upadhyay.

NDMC's public health department has been asked to ensure cleanliness of the venues and the surrounding areas. "Garbage trolleys and dustbins should also be cleaned before and after the event. Additional manpower will be deployed at all locations for cleanliness. Arrangements of water mobile toilets/VIP toilets will be made, if necessary," said an official.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक जागरण
नई दिल्ली, 21 जून, 2023
www.jagran.com

NAM

कोचिंग संस्थानों पर नियंत्रण व संतुलन का प्रविधान जरूरी

जगदीश ममगाई
पूर्व चेयरमैन, निर्माण समिति, दिल्ली नगर निगम

अधिक से अधिक अंक प्राप्त कर चमकदार करियर बनाने की मृगतृष्णा में अभिभावकों ने अपने बच्चों को शिक्षा के धंधेबाजों के चक्रव्यूह 'कोचिंग संस्थानों' में उलझा दिया है। चक्रव्यूह के द्वार पर आकर्षक सपनों का दर्शन करा कोचिंग संस्थान, भारी धनराशि लेकर बच्चों को भेड़-बकरी की तरह कमरों में ठूंस देते हैं। आपदा के समय न तो उनके बचाव का प्रबंध होता है और न ही सुरक्षा के अन्य मानकों का पालन किया जाता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि मानव निर्मित इस आपदा के लिए कोई जिम्मेदारी नहीं लेता और न ही कानूनी शिकंजा इन्हें बांध पाता है क्योंकि भवन अधिनियम व कानून-व्यवस्था में कोचिंग संस्थानों के लिए सुरक्षा मानकों के साथ नियंत्रण एवं संतुलन का प्रविधान ही नहीं है, मास्टर प्लान भी इन पर आवासीय इकाई मान सतही नजरिया अपनाता है। जब भी दुर्घटना होती है भूस्वामी या कोचिंग संस्थान प्रमुख पर सामान्य धाराओं में मामला दर्ज कर औपचारिकता पूरी कर ली जाती है, क्योंकि आइपीसी में यह गंभीर अपराध की श्रेणी न होकर लापरवाही के रूप में माना जाता है।

भवन उपनियमों को लागू करने की जिम्मेदारी दिल्ली नगर निगम की है, लेकिन भवन उपनियम तय करने का कार्य डीडीए व केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय को करना होता है क्योंकि दिल्ली में भूमि केंद्र सरकार के अधीन है। निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार के चलते ढांचागत रूप से कामचलाऊ अनधिकृत निर्मित भवनों में भी कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। कोचिंग संस्थान खिड़कियों पर प्रचार होर्डिंग लगा देते हैं, जबकि केवल वाणिज्यिक संपत्ति पर ही अपने नाम व काम का अधिकतम ढाई मीटर तक बोर्ड/होर्डिंग लगाना स्वीकृत है। आवासीय भवनों पर इसकी अनुमति नहीं है। ऐसे अवैध बोर्ड/होर्डिंग पर लगभग एक लाख का जुर्माना है जो बारंबार उल्लंघन करने पर बढ़ता रहता है। कोचिंग संस्थानों में पार्किंग भी नहीं है, जिससे गली में जाम लगता है, आस-पड़ोस के निवासी परेशान होते हैं और दुर्घटना के समय आग बुझाने वाली गाड़ियों को रास्ता नहीं मिल पाता है। इन उल्लंघनों पर कार्रवाई करने का जिम्मा दिल्ली नगर निगम का है, लेकिन जेब गर्म होने पर वह आंखें मूंद लेता है।

दिल्ली अग्निशमन विभाग से कोचिंग संस्थानों को मंजूरी लेने का प्रविधान नहीं है, हालांकि हो भी तो आवासीय भवन के लिए एक बार जारी गया फायर एनओसी पांच साल तक वैध है और इस दौरान अग्निशमन विभाग के अधिकारी झांक कर भी नहीं देखते कि आग से सुरक्षा के उपकरण काम कर रहे हैं या नहीं। विभिन्न आडिटोरियम/सभाओं में थोड़े से लोगों के एकत्र होने के लिए दिल्ली पुलिस व अन्य वैधानिक निकायों की मंजूरी आवश्यक है और कोचिंग संस्थानों में तो 400 से 700 तक छात्रों के एकत्र होने के बावजूद यहां कोई मंजूरी अपेक्षित नहीं है। दिल्ली देश की राजधानी है, इसके बावजूद यहां की संकरी गलियों में बिजली के तार लटकते दिखते हैं। एक-दूसरे से सटी इमारत व हवा विहीन बहुमंजिला कोचिंग संस्थान के कमरों में कोचिंग लेने वाले बच्चों की भीड़ दम घुटने व आग लगने के पर्याप्त कारक हैं।

कोचिंग संस्थान आवासीय होने की छूट का फायदा उठाते हैं, जबकि वह शिक्षा का कारोबार कर बेतहाशा कमाई कर रहे हैं। दिल्ली मास्टर प्लान 2041 अभी अधिसूचित नहीं हुआ है। इसमें कोचिंग संस्थानों के लिए सुरक्षा मानकों के साथ नियंत्रण एवं संतुलन हेतु संशोधन करना चाहिए। दिल्ली नगर निगम कोचिंग संस्थान चला रहे भवनों की ढांचागत स्थिरता, प्रवेश व निकास द्वार, पार्किंग आदि की सघन जांच करे, दिल्ली अग्निशमन विभाग को भी कोचिंग संस्थानों की नियमित जांच करनी चाहिए। चूंकि, यह बच्चों की सुरक्षा का मामला है, आइपीसी में इसे गंभीर अपराध की श्रेणी में लाना चाहिए। -निहाल सिंह से बातचीत पर आधारित

www.jagran.com

नवनिर्मित कर्तव्य पथ पर पहली बार होगा योग

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: आज दिल्ली योगमय रहेगी। पहली बार नवनिर्मित कर्तव्य पथ पर योग होगा। यहां पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद सैकड़ों लोगों के साथ योग करेंगे। वैसे, कर्तव्य पथ जो पहले राजपथ था, तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग किया था। इसी तरह बुधवार को 200 से अधिक स्थानों पर योग कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसमें लालकिला, पुरानी दिल्ली, कनाट प्लेस, नेहरू पार्क, तालकटोरा गार्डन, लोधी गार्डन व राजघाट समेत अन्य स्थानों पर आयोजन मुख्य है। पुराना किला में केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी तो उपराज्यपाल वीके सक्सेना सराय काले खां में यमुना किनारे बांसेरा में योग करेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ व दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा कनाट प्लेस के सेंट्रल पार्क में योग करेंगे।

इन आयोजनों में एनडीएमसी, डीडीए, एमसीडी व एएसआइ जैसे एजेंसियों जोर-शोर से तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी रही, तो योग दिवस को सफल बनाने में मोरारजी देसाई इंस्टीट्यूट, पतंजलि, ब्रह्माकुमारी, ईशा योग सेंटर, अखिल भारतीय योग शिक्षक महासंघ समेत अन्य संस्थाओं की भी मदद ली जा रही है। प्रातः छह बजे से ही दिल्ली योग नाद से गूंजने लग जाएगा। संस्थानों ने तैयारी कर ली है।

प्रगति मैदान के पास कार्यालय बनाने पर अडिग नगर निगम

जासं, नई दिल्ली: पूर्वकालिक दक्षिणी निगम का मुख्यालय प्रगति मैदान के पास बनाने के प्रस्ताव पर दिल्ली नगर निगम अडिग है। हाल ही में दिल्ली विकास प्राधिकरण ने निगम को पत्र लेकर इस परियोजना को बंद करने का आग्रह किया था। इसके जवाब निगम ने कहा है कि एक निगम होने के बाद उसकी जरुरतें और बढ़ गई है। ऐसे में वह अपने प्रस्तावित इस कार्यालय को निर्माण करना चाहता है। हालांकि प्रगति मैदान से ज्यादा ऊंचाई होने पर आपत्ति को लेकर निगम ने कहा है कि वह इसको वह घटाने के लिए तैयार है। यातायात बढ़ने को लेकर कहा है कि वह प्रस्तावित कार्यालय में ऐसे दफ्तर नहीं खोलेगा जिससे जनता का आना जाना सीधा हो।

Hindustan Times

DATED

PWD CREATES 68 PITS TO HARVEST RAINWATER AHEAD OF MONSOON

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The Public Works Department (PWD) has constructed, for the first time, 68 rainwater harvesting pits in the last year along the city's main roads to recharge groundwater and prevent waterlogging, officials aware of the matter said.

To be sure, it is not the first time that the rainwater harvesting pits have come up. Several agencies, including Delhi Jal Board (DJB), Delhi Development Authority (DDA), Irrigation and Flood Control Department, Municipal Corporation of Delhi as well as New Delhi Municipal Corporation (NDMC), have undertaken the work over the past. Excluding those created by PWD, there are a total of 2,475 rainwater harvesting pits in the city, according to the Delhi government, of which 1,548 were made in the last two years. PWD started the construction of these 68 new recharge pits in June 2022, and completed it on Monday.

"For the first time, we have constructed recharge pits along roads that will be used to collect the storm water during rains. These will help recharge the ground water and will also help reduce the overall load on the drains," said a senior PWD official, asking not to named.

PWD constructs and maintains all roads in Delhi that are over 60 feet wide.

Some locations where PWD recharge pits have come up include JLN Marg, DDU Marg, Mathura Road, Asaf Ali Road, Mukarba Chowk, Aurobindo Marg, GT Road, Shyama Prasad Mukherjee Marg, and Rohtak Road, among others.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS हिन्दुस्तान NEW DELHI WEDNESDAY JUNE 21, 2023

चिंताजनक : मानसून सिर पर लेकिन नालों की सफाई अधूरी

छोटे-बड़े लगभग दो हजार से ज्यादा नाले

2846 नाले हैं दिल्ली में निगम, डीडीए, पीडब्ल्यूडी, बाढ़ एवं सिंचाई, डीएसआईडीसी आदि एजेंसियों के पास

1375 नाले सबसे अधिक पीडब्ल्यूडी के हैं

57 नाले राजधानी में सिंचाई विभाग के पास हैं

पंद्रह जून तक सफाई करने का दावा किया गया था

हर बार होती है मुसीबत

हरिनगर वार्ड

पश्चिमी दिल्ली के हरिनगर क्षेत्र में ज्यादातर नालियों और नालों से गाद निकालने का काम नहीं हुआ है, जिससे जगह-जगह नालियां-नाले कचरे और प्लास्टिक से भरे नजर आ रहे हैं।

स्थानीय निवासी मोहित चौकन बताते हैं कि हरिनगर वार्ड में जैतपुर रोड पर बीते चार साल से सुपर सॉकर मशीन नहीं लगी है। पूरा नाला जाम है। मामूली बारिश होने पर टंकी रोड, स्कूल रोड और लवकुश रोड चौक सहित अन्य क्षेत्रों में जलभराव हो जाता है। मानसून से पहले नालों से गाद निकालने का काम पूरा करना चाहिए, लेकिन अभी तक नहीं हो सका है। हर बार की तरह इस बार भी मुसीबत होने की आशंका है।

घरों में पानी घुसने से परेशानी ज्यादा

शांति मोहल्ला

राजधानी के शांति मोहल्ला स्थित नाला जगह-जगह ढका हुआ है, जिससे उसकी सफाई नहीं हो पा रही। बारिश होने पर नाले के नजदीक क्षेत्र में जलभराव हो जाता है। लोगों का कहना है कि बारिश में नाला जाम हो जाता है तो पानी घरों में घुस जाता है। स्थानीय निवासी जयप्रकाश तिवारी का कहना है कि नाले की सफाई को लेकर कई बार प्रशासन से कहा गया है, लेकिन जहां से नाला ढका हुआ है वहां से गाद नहीं निकाली जाती है। कर्मचारी कुछ स्थान से गाद भी नहीं उठाते हैं। इसका खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ता है।

अधिकांश गलियां हो जाती हैं जलमग्न

गांधी नगर

गांधी नगर इलाके में बुध बाजार गली से दिल्ली नगर निगम के कई किलोमीटर नाले पर डेम्स विभाग के सफाई कर्मचारियों की निगाह नहीं पड़ी है। यहां हर बुधवार को बाजार लगता है। यहां खरीदारी के लिए आने वाले लोग और दुकानदार नाले में कूड़े-कचरे को फेंकते हैं। व्यापारी श्रीपाल गुप्ता कहते हैं कि जरा सी बारिश होने पर गांधी नगर की ज्यादातर गलियों में जलभराव हो जाता है। यहां आने-जाने वाले लोगों को बेहद मुश्किल होती है। जलभराव की वजह समय से ड्रेन की सफाई ना होना है।

ओखला के तैमूर नगर में घनी आबादी के बीच से गुजर रहा नाला मंगलवार को कचरे से पटा नजर आया है। मानसून में यह जलभराव की वजह बन सकता है। • सलमान अली

दावा : 80 प्रतिशत तक काम पूरा हुआ

राजधानी में 80 प्रतिशत नालों की डी-सिल्टिंग का काम पूरा हो चुका है और 28 जून तक यह पूरा हो जाएगा। मानसून की तैयारियों की समीक्षा को लेकर मंगलवार को उच्चस्तरीय बैठक की गई। इसमें बताया गया कि निगम के 12 जोन में बड़े नालों से गाद निकाले जाने का कार्य लगभग 68 प्रतिशत पूरा हो गया है, जबकि अन्य छोटे नालों का कार्य 90 प्रतिशत पूरा हो गया है।

– **शैली ओबरॉय**, महापौर, दिल्ली नगर निगम

गाद से मुश्किल भरा हुआ सफर

आईपी एक्सटेंशन

आईपी एक्सटेंशन इलाके से मधु विहार तक फुटपाथ नाला गाद से भरा है। बारिश के बाद हालात और ज्यादा खराब हो गए हैं। गाद का कुछ हिस्सा बहकर सड़क पर भी आ गया है, जिससे वाहनों के गुजरने पर गाद उनके पहियों से चिपककर सड़कों को और गंदा कर रही है। आईपीएक्स सोसाइटी महासंघ के संस्थापक सुरेश बिंदल ने बताया कि कुछ दिन पहले ही नाले की सफाई हुई थी। अब तक गाद उठाई नहीं गई और बारिश की वजह से कीचड़ में तब्दील हो गई तो गाद का कुछ हिस्सा वापस नाले में चला गया।

गंदगी से बीमारियों का खतरा : मयूर विहार फेज-एक में बड़ी नालियों की सफाई के बाद जगह-जगह गाद फैली है, जिससे बीमारियों का खतरा है। यहां के निवासी राजेंद्र ने बताया कि गाद उठाने के लिए निगम को कई बार कहा गया तो उनका कहना था कि जब गाद सूख जाएगी तो उसे उठाया जाएगा, लेकिन बारिश होने पर गाद सड़कों पर फैल गई और कुछ हिस्सा नालियों में चला गया।

उधर, ओखला के तैमूर नगर में भी बड़ा नाला गंदगी से पटा हुआ है, जिस पर अधिकारियों का ध्यान नहीं है।

इन स्थानों पर जलभराव की समस्या ज्यादा होती है

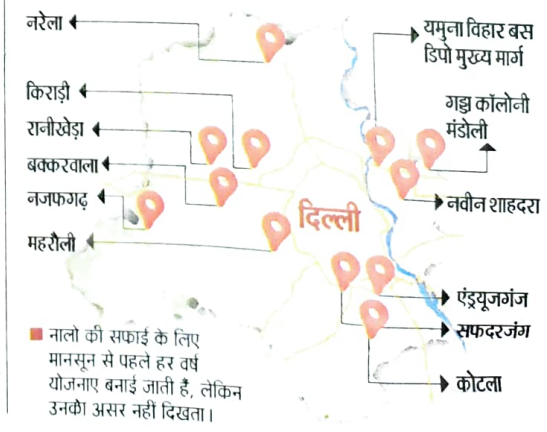

नालों की सफाई के लिए मानसून से पहले हर वर्ष योजनाएं बनाई जाती हैं, लेकिन उनका असर नहीं दिखता।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS---- नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । बुधवार, 21 जून 2023 --------DATED----------

DDA के प्रपोजल के इंतज़ार में सिग्नेचर व्यू अपार्टमेंट के लोग

प्रस्ताव को आरडब्ल्यूए की जनरल बॉडी मीटिंग में रखा जाएगा

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

मुखर्जी नगर के सिग्नेचर व्यू अपार्टमेंट के लोगों को अब डीडीए के प्रपोजल का इंतजार है। लोगों के अनुसार एक बार उन्हें डीडीए की तरफ से प्रपोजल मिल जाए तो सारी बातें साफ हो जाएंगी। आरडब्ल्यूए के अनुसार अगले पांच से छह दिनों में उन्हें प्रपोजल मिलने की उम्मीद है। इसके बाद वह इस प्रपोजल को आरडब्ल्यूए की जनरल बॉडी मीटिंग में रखेंगे।

सिग्नेचर व्यू अपार्टमेंट की आरडब्ल्यूए के अनुसार अभी तक डीडीए के अधिकारियों ने उन्हें बताया है सभी 336 फ्लैट मालिकों को दोनों (बायबैक और उसी जगह पर नया फ्लैट) में से कोई एक विकल्प अपनाना होगा। जबकि आरडब्ल्यूए के अनुसार इस शर्त को हटाया जाना चाहिए। अधिकांश लोग आरडब्ल्यूए के साथ हैं, लेकिन पांच से सात लोगों की वजह से इसमें अड़चन आ सकती है। लोग इस जर्जर हो चुकी बिल्डिंग में अब नहीं रहना चाहते। बारिश और हवाएं उन्हें डरा रही है। हर दिन के साथ जोखिम बढ़ रहा है। इसलिए डीडीए को भी इस पूरी प्रक्रिया में तेजी लानी चाहिए।

File Photo

अपार्टमेंट के फ्लैट्स को आईआईटी पहले ही खतरनाक घोषित कर चुका है

- सभी 336 फ्लैट मालिकों को दोनों में से कोई एक विकल्प अपनाना होगा
- आरडब्ल्यूए के अनुसार दो में से एक विकल्प चुनने की शर्त हटाए डीडीए
- आरडब्ल्यूए के अनुसार अगले पांच से छह दिनों में प्रपोजल मिलने की उम्मीद है

अपार्टमेंट के एक फ्लैट मालिक गौरव पांडे ने बताया कि ज्यादातर लोग री-डिवेलपमेंट के तहत इसी जगह पर फ्लैट चाहते हैं। लेकिन डीडीए ने कहा है कि सभी 336 फ्लैट मालिकों को दोनों में से एक विकल्प लेना होगा, तभी यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ पाएगा। ऐसे में चुनिंदा लोग मुश्किल खड़ी कर सकते हैं। आईआईटी इन फ्लैट्स को पहले ही खतरनाक घोषित कर चुका है। ऐसे में नियमों के अनुसार इन फ्लैट्स में लोगों को नहीं रहना चाहिए। लेकिन इसके बावजूद कई परिवार विकल्प न होने की वजह से अपनी जान को जोखिम में डालकर यहां रह रहे हैं। ऐसे में डीडीए को लोगों की सुरक्षा को देखते हुए इस प्रोजेक्ट पर जल्दी काम करना चाहिए और बिल्डिंग को खाली करवाना चाहिए।

ये हैं दो प्रपोजल

डीडीए ने सिग्नेचर व्यू अपार्टमेंट के लोगों को दो विकल्प देने के प्रपोजल को मंजूरी दी है। इनमें बायबैक प्रपोजल में लोगों को उनके फ्लैट की पूरी कीमत के साथ पजेशन लेटर की डेट से ब्याज भी मिलेगा। दूसरा प्रपोजल, उसी जगह पर नया फ्लैट लेने का है। फ्लैट तैयार होने तक लोगों को किराया भी दिया जाएगा।